लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

THRUST OF 28TH CSPOC TO BE HELD IN INDIA NEXT YEAR WOULD BE APPLICATION OF AI AND SOCIAL MEDIA IN WORKING OF PARLIAMENTS: LOK SABHA SPEAKER/भारत में अगले वर्ष आयोजित होने वाले 28वें CSPOC का मुख्य फोकस संसदों के कामकाज में एआई और सोशल मीडिया के अनुप्रयोग पर होगा: लोकसभा अध्यक्ष

...

INDIA IS WITNESSING MASSIVE TRANSFORMATION IN AGRICULTURE, FINTECH, AI, RESEARCH AND INNOVATION: LOK SABHA SPEAKER/भारत कृषि, फिनटेक, एआई, अनुसंधान और नवाचार में व्यापक परिवर्तन से गुजर रहा है: लोकसभा अध्यक्ष

…

EFFORTS SHOULD BE MADE TO MAKE PARLIAMENTS MORE EFFECTIVE, INCLUSIVE AND TRANSPARENT/संसदों को अधिक प्रभावी, समावेशी और पारदर्शी बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए: लोकसभा अध्यक्ष

…

PARLIAMENTS AND PARLIAMENTARIANS HAVE AN IMPORTANT ROLE IN TACKLING CHALLENGES RANGING FROM CLIMATE CHANGE TO TERRORISM AND CYBER CRIME/जलवायु परिवर्तन से लेकर आतंकवाद और साइबर अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने में संसदों और सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है

…

28TH CSPOC TO BE HELD IN INDIA IN 2026 WILL GIVE INDIA AN OPPORTUNITY TO SHARE ITS RICH CULTURAL HERITAGE WITH THE WORLD/2026 में भारत में आयोजित होने वाला 28वां सीएसपीओसी भारत को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के साथ साझा करने का अवसर देगा

…

LOK SABHA SPEAKER UNDERSCORES INDIA'S TRADITION OF DEMOCRACY AND INCLUSIVITY AT CSPOC/लोकसभा अध्यक्ष ने सीएसपीओसी में भारत की लोकतंत्र और समावेशिता की परंपरा पर जोर दिया

…

LOK SABHA SPEAKER CHAIRS CSPOC STANDING COMMITTEE MEETING IN GUERNSEY/लोक सभा अध्यक्ष ने गर्नजी में CSPOC की स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की

…

Guernsey, 10 January 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla informed that the thrust of the 28th Conference of Speakers and Presiding Officers of Parliaments of Commonwealth Countries (CSPOC) scheduled to be held in India next year would be application of AI and social media in working of Parliaments. He made these observations while chairing the Standing Committee Meeting of the Conference of Speakers and Presiding Officers of Parliaments (CSPOC) in Guernsey, today.

Elaborating on the transformation of India under the visionary leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, Shri Birla informed that India has now become the fifth largest economy and third largest ecosystem for startups. India is witnessing massive transformation in several sectors, such as agriculture, fintech, AI, and research and innovation, he added. He also informed that India has now world class infrastructure and service sector and expressed hope that in the next year, when the dignitaries would be in India for the CSPOC, they would experience the unique blend of heritage and progress of the country.

Emphasizing the role of Parliaments as custodians of democracy, accelerators of development, and purveyors of public welfare, Shri Birla highlighted the importance of making parliaments more effective, inclusive, and transparent to address global challenges such as climate change, terrorism, and cybercrime.

He also highlighted the importance of making parliamentary institutions more effective, inclusive, and transparent to foster good governance and promote sustainable development. The session brought together parliamentary leaders to address pressing global challenges and lay the groundwork for the 28th CSPOC, which India will host in 2026.

Addressing the Session, Shri Birla acknowledged the CSPOC platform as an invaluable opportunity for member countries to exchange best practices, strengthen parliamentary cooperation, and collectively work towards building a just and equitable future.

He also expressed happiness at India's selection as the host for the 28th CSPOC in 2026, noting that it provides a unique opportunity to showcase the country's rich cultural heritage and centuries-old traditions of inclusivity and harmony. Shri Birla underscored the relevance of the ancient Indian philosophy of Vasudhaiva

Kutumbakam—"the whole world is one family"—as a guiding principle for global cooperation and unity.

Reiterating the need for parliaments to effectively address challenges such as poverty, inequality, and malnutrition while promoting sustainable development and good governance, Shri Birla emphasized the role of parliamentarians in shaping policies, allocating resources judiciously, and guiding governments in building a more equitable and sustainable future.

Discussions during the meeting included finalizing the agenda for the upcoming 28th CSPOC in India and deliberating on systemic issues impacting parliaments worldwide. The Speaker reflected on India's longstanding tradition of hosting such events, including the CSPOC in 1970-71, 1986, and 2010, and extended an invitation to all Commonwealth presiding officers to attend the conference in New Delhi. Shri Birla expressed confidence that the upcoming event would foster meaningful dialogue and collaborative efforts to address critical global issues.

Shri Om Birla concluded by conveying his gratitude to the presiding officer of the Bailiwick of Guernsey, His Excellency Sir Richard McMahon, for his exemplary leadership and hospitality. The meeting reaffirmed the shared commitment of Commonwealth parliaments to tackle contemporary challenges and uphold the principles of democracy and good governance.

गर्नजी, 10 जनवरी 2025: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि अगले साल भारत में आयोजित होने वाले 25वें कॉमनवेल्थ देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (CSOPC) का मुख्य फोकस संसदों के कामकाज में एआई और सोशल मीडिया के अनुप्रयोग पर होगा। उन्होंने यह टिप्पणी गर्नजी में आज आयोजित CSPOC की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में हो रहे परिवर्तन का जिक्र करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप के लिए तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत कई क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन से गुजर रहा है, जैसे कि कृषि, फिनटेक, एआई, और अनुसंधान और नवाचार। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के पास अब विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा और सेवा क्षेत्र है, और उन्हें उम्मीद है कि अगले साल, जब गणमान्य व्यक्ति CSPOC के लिए भारत आएंगे, तो वे देश की विरासत और प्रगति के अद्‌वितीय मिश्रण का अनुभव करेंगे।

लोकतंत्र के संरक्षक, विकास को गति देने वाले और लोक कल्याण के संवाहक के रूप में संसदों की भूमिका पर बल देते हुए, श्री बिरला ने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और साइबर अपराध जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए संसदों को अधिक प्रभावी, समावेशी और पारदर्शी बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने सुशासन को बढ़ावा देने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए संसदीय संस्थाओं को अधिक प्रभावी, समावेशी और पारदर्शी बनाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस सत्र में संसदीय नेतृत्व वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और 28वें CSPOC के लिए आधार तैयार करने के लिए एकत्रित हुआ, जिसकी मेजबानी भारत 2026 में करेगा।श्री बिरला ने कहा कि CSOPC मंच सदस्य देशों को सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, संसदीय सहयोग को मजबूत करने और एक न्यायसंगत तथा समतापूर्ण भविष्य के निर्माण की दिशा में मिलकर काम करने के लिए एक अमूल्य अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने 2026 में 28वें CSPOC के मेजबान के रूप में भारत को चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इससे भारत को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और समावेशिता और सद्भाव की सदियों पुरानी परंपराओं को विश्व के साथ साझा करने का अनूठा अवसर मिलेगा। श्री बिरला ने वैश्विक सहयोग और एकता के मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में वसुधैव कुटुम्बकम- "पूरा विश्व एक परिवार है" के प्राचीन भारतीय दर्शन की प्रासंगिकता के बारे में भी बात की।

बैठक के दौरान हुई चर्चाओं में भारत में आयोजित किए जा रहे आगामी 28वें CSPOC के एजेंडे को अंतिम रूप देना और दुनिया भर की संसदों को प्रभावित कर रहे प्रणालीगत मुद्दों पर विचार-विमर्श करना शामिल था। अध्यक्ष महोदय ने 1970-71, 1986 और 2010 में CSPOC सहित ऐसे कार्यक्रमों की मेजबानी करने की भारत की परंपरा के बारे में बताया और राष्ट्रमंडल देशों के सभी पीठासीन अधिकारियों को नई दिल्ली में सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी सत्र में महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर सार्थक संवाद होगा और इन समस्याओं के समाधान के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएंगे।

श्री ओम बिरला ने गर्नजी बैलिविक के पीठासीन अधिकारी, महामहिम सर रिचर्ड मैकमोहन को उनके गरिमामयी नेतृत्व और आतिथ्य-सत्कार के लिए अपना आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त की।